Name of the College - A P S M College Barauni
Name - Dr. Rajesh Kumar Suman
Deptt - Economics
Designation - [HT]

Date - 27/1/2021
Unit - 03

Class - B.A Part - I
Paper - 1st

Name of the topic - Consumer's Behaviour.

⇒ उपभोक्ता का संतुलन :

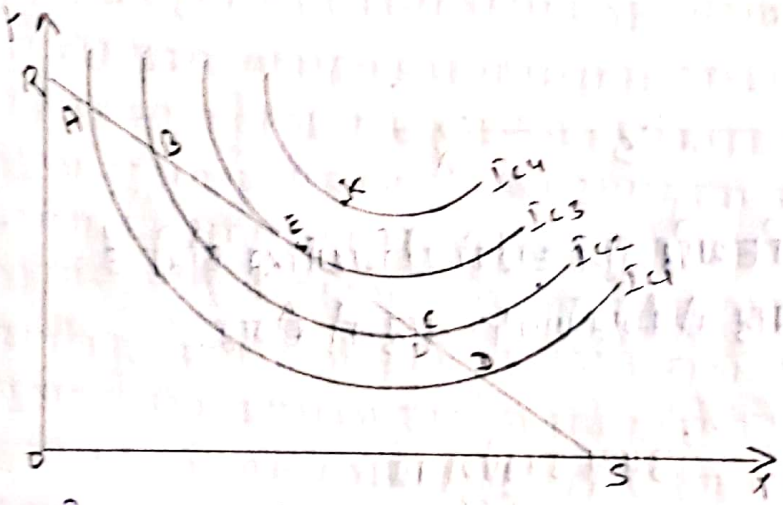

⇒ उपभोक्ता का अन्तिम सन्तुलन बिन्दु E पर होगा जहाँ -

(i) - उदासीनता वक्र IC_3 कीमत रेखा RS को स्पर्श करे.

(ii) - सन्तुलन बिन्दु E पर उदासीनता वक्र मूल बिन्दु की ओर उन्नतोदर होना चाहिए।

⇒ सन्तुलन बिन्दु पर -

उदासीनता वक्र का ढाल = कीमत रेखा का ढाल।

$$MRS_{xy} = \frac{P_x}{P_y}$$

सन्तुलन बिन्दु पर MRS_{xy} ह्रासमान होता है जो उदासीनता वक्र के मूल बिन्दु की ओर उन्नतोदर होने की सूचना देता है।

Scanned with CamScanner

⇒ जब उदासीनता वक्र मूल बिन्दु की ओर उत्तल होते हैं तब MRS_{xy} घटता है तथा $MRS_{xy} = \frac{\Delta Y}{\Delta X}$

⇒ कीमत रेखा RS होने पर यदि उपभोक्ता K बिन्दु पर है, तब वह अपनी सम्पूर्ण आय को व्यय नहीं करता।

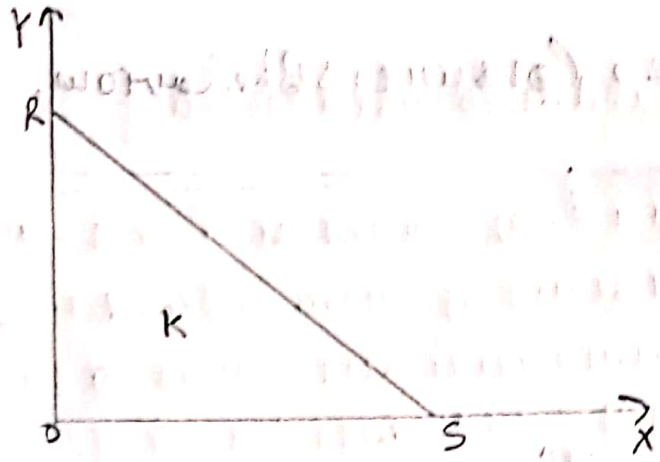

⇒ कीमत रेखा की स्थिति तीन तथ्यों से निर्धारित होती है।
(i) आय (ii) x-वस्तु की कीमत (iii) y-वस्तु की कीमत.

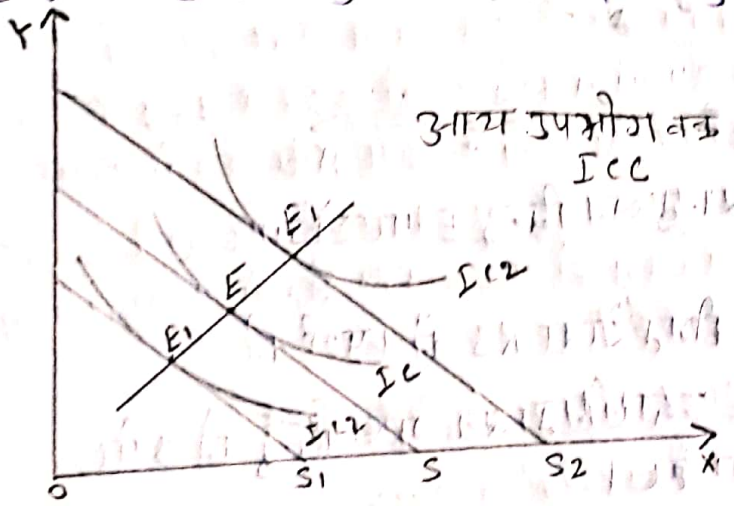

⇒ उपभोक्ता की आय में परिवर्तन होने के कारण (जबकी दोनों वस्तुओं की कीमतें स्थिर होती हैं) भोग में जो परिवर्तन होता है उसे आय प्रभाव कहते हैं। विभिन्न आय-स्तरों पर प्राप्त होने वाले सन्तुलन बिन्दुओं से गिलने वाली रेखा आय उपभोग वक्र [ICC] कहलाती है।

Scanned with CamScanner